कार्यालय जिला सूचना अधिकारी पौड़ी गढ़वाल।

फोन/फैक्स न0– 01368–222283 Web site: uttarainformation.gov.in
Email: dio.pauri@yahoo.com, districtinformation.pauri@gmail.com

प्रेस–विज्ञप्ति

सू0वि0/पौड़ी गढ़वाल/दिनांक 22 जून 2013

मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार आगामी 48 घण्टों के दौरान राज्य में भारी वर्षा की सम्भावना है। इसको देखते हुए अपर जिलाधिकारी रवनीत चीमा ने जनपद के पुलिस अधीक्षक एवं समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से जन सामान्य को यथोचित माध्यम से अवगत करायें ताकि भारी वर्षा से जान–माल को सुरक्षित किया जा सके।

विगत दिनों भारी वर्षा से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में दैवीय आपदाओं की घटनायें घटित हुई हैं। जिला प्रशासन द्वारा आपदा प्रभावित क्षेत्रों में शिविर लगाकर प्रभावितों को आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के लिये युद्व स्तर पर कार्य किये जा रहें हैं। जिलाधिकारी चन्द्रेश कुमार तथा पुलिस अधीक्षक विमला गुंज्याल जनपद के सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र श्रीनगर में आपदा प्रभावितों को आवश्यकीय सुविधायें उपलब्ध कराने के रात–दिन डेरा डाले हुये हैं।

जिला आपदा परिचालन केन्द्र को प्राप्त सूचना के अनुसार अभी भी जनपद में 202 मार्ग बन्द पड़े हैं जबकि 99 मार्ग यातायात के लिये खुले हैं। जनपद में लोक निर्माण विभाग द्वारा अवशेष 103 मार्गों को खोलने के प्रयास तेजी से चलाये जा रहें हैं। प्राप्त सूचना के अनुसार जनपद में आंशिक क्षतिग्रस्त भवनों की संख्या 5 है तथा पशु हानि की सूचना के अनुसार 2 बैलों के मारे जाने की सूचना भी प्राप्त हुई है। इसके अलावा तहसील थलीसैंण में राजकीय इण्टर कालेज मासौं का एक कक्षा कक्ष भारी वर्षा से क्षतिग्रस्त होने की सूचना आपदा परिचालन केन्द्र को प्राप्त हुई है। जनपद में आयी भीषण आपदा के मद्देनजर तहसीलदारों की मांग के अनुसार गृह, अनुग्रह, अहैतुक राशि तथा कृषि सब्सिडी हेतु धनराशि सम्बन्धित तहसीलदारों के खातों में जमा कर दी गई है। इसके अलावा आपदा परिचालन केन्द्र द्वारा लोगों से आपदा प्रभावितों के लिये अधिकाधिक संख्या में खाद्य सामग्री, कम्बल, टैंट तथा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध डुगडुगी तथा लाउड स्पीकर के माध्यम से किया जा रहा है। इस आपदा से प्रभावित लगभग 100 नेपाली श्रमिकों द्वारा आज विभिन्न क्षेत्रों से आकर स्थानीय कलक्ट्रेट में अपनी व्यथा बताई गई, जिनकी स्थिति को मद्देनजर रखते हुए जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि इन श्रमिकों को खाद्य सामग्री निशुल्क उपलब्ध कराई जाये तथा इन्हें इनके गन्तव्यों तक निशुल्क यात्रा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

आपदा प्रभावित क्षेत्र श्रीनगर में विभिन्न जिलों से आये आपदा प्रभावितों के लिये पॉलीटेक्निक परिसर तथा स्थानीय कोषागार गेस्ट हाउस में इनके आवास, भोजन, दवा, कपड़े आदि की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है तथा तीर्थयात्रियों को उनके गन्तव्यों तक पहुंचाने के लिये निशुल्क वाहन की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही श्रीनगर के आपदा प्रभावित परिवारों के मकानों से मलबा व गाद, रेत आदि हटाने के लिये जेसीबी मशीन तथा मजदूर लगाये गये हैं। जिनके द्वारा लोगों के मकानों से रेत व गाद हटाने का कार्य जोरों से चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि दैवीय आपदा के अन्तर्गत 17 जून से 21 जून तक विभिन्न राहत सामग्री तथा धनराशि का एकत्रीकरण किया गया। अभी तक जनपद में विभिन्न संस्थानों, आम जनता, स्वयं सेवी संगठनों व व्यापार मण्डल द्वारा रू0 248554 की धनराशि जमा की गई तथा 17, 18 एवं 19 जून को बुवाखाल में लगभग 2000 प्रभावितों को लंच पैकेट, 20 जून को रूद्रप्रयाग एवं श्रीनगर में 300–300 लंच पैकेट तथा 21 जून को रूद्रप्रयाग व श्रीनगर में क्रमशः 325 तथा 370 लंच पैकेट जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये गये। उन्होंने बताया कि 20 तथा 21 जून को जिला प्रशासन द्वारा 200–200 प्रतिदिन फर्स्ट एड किट पैकेट्स व 8 पेटी बिस्कुट, 20 पैकेट बिसलरी पानी रूद्रप्रयाग भेजी गयी हैं। इसके अलावा 21 जून को श्रीनगर के लिये 6 टैंटो की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि आपदा प्रभावितों को आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये मुख्यालय से 2 राजस्व निरीक्षक तथा 2 राजस्व उप निरीक्षक श्रीनगर तहसील भेजे गये। इसके अलावा 21 जून को 7 राजस्व उप निरीक्षक तहसील पौड़ी के तथा 3 राजस्व उप निरीक्षक तहसील चौबट्टाखाल से आपदा प्रभावितों की सहायता के लिये जनपद रूद्रप्रयाग भेजे जाने की सूचना जिला प्रशासन द्वारा दी गई है।

प्रभारी जिला सूचना अधिकारी
पौड़ी गढ़वाल।